बीमारियों का बढ़ा खतरा, विभाग ने जारी की एडवाइजरी

नवभारत न्यूज

बैतूल, 21 जुलाई. बारिश के मौसम में बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ गया है। हालात यह है कि अस्पताल में उल्टी-दस्त, गले में खराश और पेट दर्द जैसे लक्षणों वाले मरीजों की लंबी कतारें लग रही हैं।

अस्पताल में लग रही मरीजों की लंबी कतारें

डॉक्टरों ने दी खानपान पर ध्यान देने की सलाह

हर दिन सुबह-शाम की ओपीडी में 700 से ज्यादा मरीज पहुंच रहे हैं। बीमारों में अधिकांश संख्या ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की है, जो कुओं या अशुद्ध स्रोतों का पानी पी रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल न तो फिल्टर हो रहा है और न ही उसमें क्लोरीन जैसी जरूरी दवाएं डाली जा रही हैं। नतीजा यह है कि दूषित पानी पीने से बीमारियां फैल रही हैं। डॉक्टरों का कहना है कि इस मौसम में दूषित पानी और असंतुलित खानपान से मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ा है। जिसके चलते शासकीय अस्पताल सहित प्राइवेट दवाखानों में मरीजों का दबाव बना हुआ है। इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। खास बात यह है कि इसका प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं अर्थात सभी वर्ग के लोगों पर दिखाई दे रहा है। चिकित्सको का कहना है कि पानी उबालकर ही पिएं, बासी या तला-भुना खाना न खाएं और फल-सब्जियों की ताजगी पर विशेष ध्यान दें। किसी भी तरह के लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल आएं और डॉक्टर से इलाज कराएं।

रूख कर रहे मरीज : इन दिनों सरकारी अस्पताल के अलावा प्राइवेट दवाखानों में भी मरीजों की लंबी कतारें नजर आ रही हैं। मरीजों में रक्त परीक्षण के दौरान मलेरिया निगेटिव मिल रहा है। लेकिन ठंड के साथ बुखार आ रहा है। अभी ज्यादातर मरीज वायरल से प्रभावित मिल रहे हैं। सरकारी अस्पताल में ही रोज कम से कम 700 मरीज पहुंच रहे हैं। इससे ज्यादा प्राइवेट दवाखानों में आ रहे हैं। रक्त परीक्षण के लिए प्राइवेट पैथोलॉजी पर भी दबाव बना हुआ है। अस्पताल में बढ़ती भीड़ और घंटों की प्रतीक्षा से परेशान लोग अब निजी क्लीनिकों का रुख कर रहे हैं। अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की भीड़ सुबह से ही उमड़ने लगती है, जो देर शाम तक बनी रहती है। कई मरीज इलाज के लिए मजबूरी में प्राइवेट डॉक्टरों के पास जा रहे हैं।

मलेरिया होने पर चिकित्सक को दिखाये : सीएमएचओ डॉ.हुरमाड़े ने बताया कि बरसात में मलेरिया/डेंगू रोग भी फैलता है जिसमें मरीज को ठण्ड लगकर बुखार आता है। प्राय: खेत, तालाब, गड्ढे, खाई, घर के आसपास रखे हुए टूटे-फूटे डब्बे, पुराने टायर, पशु के पानी पीने का हौद इत्यादि में बरसात के दिनो में जल जमा हो जाता है। इस प्रकार के भरे हुए पानी में मच्छर के लार्वा पैदा होते हैं जो बाद में मच्छर बनकर रोग फैलाते हैं। मलेरिया से बचाव के लिए घर के आसपास जल जमा न होने दें, रुके हुए पानी में मिट्टी का तेल या जला हुआ ऑयल डालें। कूलर, फूलदान, फ्रिज ट्रे आदि को सप्ताह में एक बार अवश्य साफ करें। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। कीटनाशक का छिड़काव करवायें, मलेरिया रोग हो जाने पर खून की जांच अवश्य कराएं एवं चिकित्सक की सलाह से पूर्ण उपचार लें। उन्होंने बताया कि वर्षाकाल में आंखों में संक्रमण होने के कारण आंखों में खुजली एवं आंखें लाल हो जाती हैं। इस रोग के वायरस से संक्रमित मरीज के उपयोग की गई किसी भी वस्तु जैसे, रुमाल, तौलिया, बिस्तर का उपयोग करने से दूसरों तक संक्रमण पहुंचता है। आंखे आने पर बार-बार अपने हाथ एवं चेहरे को ठंडे पानी से धोएं।

अस्पताल में मरीजों की लग रही कतार

सरकारी अस्पताल में मौसमी बीमारी के चलते मरीजों की संख्या लगातार बढ़ते जा रही है। इलाज के लिए लंबी कतारें लगी हैं। वहीं दूसरी तरफ क्लास टू के डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। जानकार बताते है कि वायरल का दबाव कम से कम दो महीने तक रहने वाला है। जानकार बताते है कि वायरल का चक्र सात दिन का होता है। उपचार से मरीज सात दिन में ठीक हो जाता है। लेकिन इसका प्रभाव इतना होता है कि शरीर कमजोर कर देता है। यदि समय पर उपचार नहीं किया तो फिर बैक्टीरिया को हमला करने का मौका मिल जाता है। इससे वायरल आने पर उसके चक्र को खत्म होने का इंतजार न करें। शासकीय अस्पताल में या किसी अच्छे डॉक्टर को दिखाएं। इससे सही उपचार और सलाह मिल सके। लापरवाही सेहत के लिए भारी पड़ सकती है।

वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियों से बचने स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

बैतूल। वर्षा ऋतु में बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। इन बीमारियों की रोकथा के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। जारी एडवाइजरी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि वर्षा ऋतु में मुख्य रूप दूषित जल के सेवन से डायरिया, पेचिश एवं हैजा, टाइफाईड पीलिया जैसी बीमारियां फैलती हैं। पेयजल के रूप में शुद्ध उबला हुआ जल का उपयोग करें। कुछ भी खाने के पहले व शौच के पश्चात साबुन से अवश्य हाथ धोएं। शुद्ध पेयजल की कमी के कारण, दूषित जल पीने से सबसे अधिक बीमारियां होती हैं, बारिश में यह समस्या बढ़ जाती है। सीएमएचओ डॉ.हुरमाड़े ने बताया कि दूषित पानी के कारण प्राय: दस्त रोग फैलता है। मुख्य रूप से बच्चों में यह अधिक गंभीर रूप धारण कर सकता है। यह रोग इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि शरीर में से पानी निकल जाने से बच्चे की मृत्यु भी हो सकती है। दस्त रोग की रोकथाम के लिए प्राय: शुद्ध पेयजल एवं शुद्ध भोजन का उपयोग करें। सडे-गले फल एवं खाद्य पदार्थो का उपयोग न करें।

एक नजर में

युवक की पिटाई के विरोध में सड़क पर उतरे संगठन

भैंसदेही। भैंसदेही में आदिवासी कांग्रेस भैंसदेही द्वारा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रानु ठाकुर की मौजूदगी में आदिवासी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मंगेश सरियाम के नेतृत्व में अवैध शराब बिक्री एवं खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाने एवं दोषियों पर कार्यवाही करने को लेकर तहसील कार्यालय पहुँचकर जिला कलेक्टर के नाम एसडीएम भैंसदेही को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि शराब ठेकेदार एवं उसके कर्मचारियों द्वारा गाड़ियों में भरकर गांव-गांव लेजाकर दुकानों व घरों से अवैध शराब बिक्री की जा रही हैं। अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाई जाए एवं उनपर कार्यवाही की जाए। कल ग्राम ढोकना निवासी संदीप चिल्हाटे नामक आदिवासी युवक को शराब ठेकेदार के लोगों एवं पुलिसकर्मियों द्वारा थाने में लेजाकर एक अलग कमरे में ले जाकर उसकी पिटाई की गई। जिससे उसको गंभीर चोटे आई हैं। कांग्रेसियों ने मांग की हैं कि आदिवासी युवक के साथ मारपीट करने वाले शराब ठेकेदार एवं उसके कर्मचारियों पर अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति अत्याचार अधिनियम 1989 के तहत कार्यवाही की जाए एवं दोसी पुलिस कर्मियों पर विभागीय जांच कर उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। खाद की कालाबाजारी रोकने एवं किसानों को खाद उपलब्ध करवाने की भी मांग रखी। ब्लॉक के किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है जिससे उन्हें फसल उगाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एवं कल ग्राम खोमई में शासकीय सहकारी समिति द्वारा रात के समय में खाद से भरी गाड़ी को अपने चहीतो को रातों-रात बांट दि गयी। जब सुबह सभी परमिट धारी सहकारी समिति पहुंचे तो उन्हें खाद नहीं दिया गया। किसानों ने भैंसदेही पहुँचकर अपनी समस्या से एसडीएम को अवगत करवाया एसडीएम ने तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए शाखा प्रबंधक को फोन लगाकर परमिट धारी किसानों को तत्काल खाद उपलब्ध करवाने को निर्देशित किया और प्रबंधक को कहा कि मैं अभी खोमई आकर चेक करूँगा कि जो किसानों को रात के समय खाद बाटा है उनका परमिट और स्टॉक भी चेक करूंगा। सब सही नहीं मिलने पर तुम्हारे खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाऊंगा। ज्ञापन देते समय मुख्य रूप से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रानू ठाकुर, मंगेश सरियाम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अहिल्याबाई होल्कर का जीवन चरित्र समाज के लिए प्रेरणादायक

बैतूल। मप्र के जनजातीय मंत्री विजय शाह शुक्रवार को एक दिवसीय प्रवास पर बैतूल पहुंचे।

इस दौरान स्थानीय सर्किट हाउस पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने जनजातीय मंत्री श्री शाह का पुष्प गुच्छ से भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्री श्री शाह को जनसंपर्क विभाग द्वारा मध्य प्रदेश संदेश वाचन की प्रति ससम्मान भेंट की गई। इस अवसर पर जनजातीय मंत्री श्री शाह ने अहिल्या बाई होल्कर को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन चरित्र पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। आधुनिक समाज में अपने क्रियाकलापों, न्याय यवस्था से अहिल्या माता ने समाज और देश को सशक्त मार्ग दिखाया है। उनका शासन काल सुराज, स्वराज, सुशासन, सुव्यवस्था, संपन्नता, विकास और निर्माण का पर्याय था। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने इंदौर के राजवाड़ा में कैबिनेट कर अहिल्या माता के आदर्शों, उनके चरित्रों, समाज के लिए किए गए उनके कार्यों को जनजागृति के रूप में लाने का प्रयास ही नहीं किया, बल्कि आने वाले समय में पाठ्यपुस्तकों में शामिल किए जाने की घोषणा की है। यह कदम आने वाली पीढ़ियों को अपने इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा। अब आने वाली पीढ़ी भी महापुरुषों के जीवन चरित्र को पढ़ पाएगी और समाज का मार्गदर्शन करेंगी, जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, जिला पंचायत सदस्य मंगल सिंह धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

हादसा : हाईवे पर ट्रेवलर के आरपार हुई रेलिंग

बैतूल। बैतूल-इंदौर फोरलेन पर एक ट्रेवलर वाहन सड़क किनारे लगी रेलिंग में घुस गया। हादसे में रेलिंग वाहन के आगे वाले हिस्से से लेकर पीछे तक आरपार हो गई।

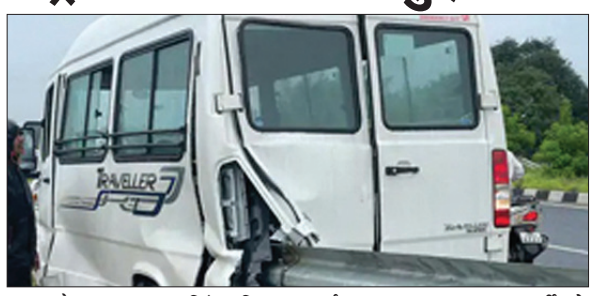

हादसा कोतवाली थाना क्षेत्र के खेड़ी चौकी अंतर्गत दनोरा गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि एक युवती काले रंग की बाइक चला रही थी और उसके पीछे एक युवक बैठा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार युवती सड़क पर गलत दिशा में आ गई, जिससे सामने से आ रही ट्रेवलर को अचानक मोड़ना पड़ा और वाहन रेलिंग से जा टकराया। ट्रेवलर वाहन के ड्राइवर राहुल सिंह परिहार ने बताया कि यह नई गाड़ी थी, जो पीथमपुर से उड़ीसा स्थित एक शोरूम की ओर जा रही थी। वे अकेले ही वाहन चला रहे थे। उन्होंने बताया कि टक्कर से बचने के लिए वाहन को किनारे मोड़ने की कोशिश की, जिससे यह हादसा हो गई। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि सड़क किनारे की रेलिंग खुली हुई थी, जो वाहन में सीधे जा घुसी। इस मामले को लेकर खेड़ी चौकी प्रभारी राकेश सरेआम से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि घटना की कोई शिकायत अब तक थाने में दर्ज नहीं हुई है।

हरियाली अमावस्या पर शिक्षक और बच्चों ने किया वृक्षारोपण

सारनी। पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश,हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर, सारनी के भैया-बहनों एवं आचार्य परिवार द्वारा मठारदेव पहाड़ी पर वृक्षारोपण कर प्रकृति को समर्पित एक प्रेरणादायक पहल की गई। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छात्रों ने भाग लिया और प्रत्येक छात्र ने एक पौधा रोपित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों ने पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली, जिसमें वृक्ष लगाओ, जीवन बचाओ, हरा भरा हो देश हमारा जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। बच्चों ने हाथों में तख्तियां लेकर आमजन को प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिकाएं सरिता तिवारी, प्रिया सहारे, लता हारोड़े सहित अन्य आचार्याओं ने बच्चों के साथ मठारदेव पहुंचकर दर्शन किए और पौधारोपण कराया। विद्यालय प्राचार्य चंद्रशेखर टैगोर ने पर्यावरण की आवश्यकता और उसकी रक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देने के लिए आज से ही सजग होना होगा। कार्यक्रम में विद्यालय समिति के नरेंद्र एवं पालकों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

विधायक ने किया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भूमिपूजन

मुलताई। क्षेत्र के ग्राम सोपई में विधायक चंद्रशेखर देशमुख नए जल जीवन मिशन के तहत शुक्रवार को वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भूमिजन किया। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनने से क्षेत्र के 162 ग्राम होगें लाभान्वित होगे। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा देश के प्रत्येक घर तक नल से शुद्ध जल पहुंचाने की अति महत्वाकांक्षी योजना चलाई जा रही है जिससे हर घर को नल से शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना हैं। जल जीवन मिशन के तहत देश के अनेकों घरों तक शुद्ध पीने का जल नल के द्वारा पहुंचाया जा रहा है। इस योजना के तहत विधायक चंद्रशेखर देशमुख द्वारा

ग्राम पंचायत सोपई में जल जीवन मिशन के अंतर्गत वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का भूमि पूजन किया योजना पूर्ण होने पर क्षेत्र के 162 ग्राम लाभान्वित होगे। योजना में जल निगम ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजलापूर्ति प्रत्येक घर तक नल के जरिए सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक चंद्रशेखर देशमुख नए कहा कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्र में शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक जनकल्याणकारी पहल है। इस परियोजना से गांव के प्रत्येक घर में पेयजल की समस्या का निराकरण होगा।

शासकीय शराब दुकानों पर नियमों की उड़ रही धज्जियां

सारनी। सारनी, पाथाखेड़ा, शोभापुर कॉलोनी, बागडोना क्षेत्र में संचालित शासकीय शराब दुकानों द्वारा नियमों और कानूनों की खुलेआम अवहेलना की जा रही है। सरकार द्वारा समय-सीमा, स्थान निर्धारण और मानवीय गरिमा के साथ शराब विक्रय की जो शर्तें तय की गई हैं, उनका पालन न के बराबर हो रहा है। वहीं, आबकारी विभाग की निष्क्रियता और अनदेखी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने आरोप लगाया है कि कई शासकीय मदिरा दुकानों के पास ही अस्थायी अड्डे बनाकर बैठकर शराब सेवन की छूट दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह दृश्य आम हो चला है, जहाँ खुलेआम शराब पीने की घटनाएं सामने आ रही हैं। जबकि राज्य सरकार द्वारा स्पष्ट निर्देश हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर बैठकर शराब पीना पूरी तरह निषिद्ध है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पाथाखेड़ा दो नंबर, काली माई मंदिर क्षेत्र और सारनी के शॉपिंग सेंटर बागडोना जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में शासकीय शराब दुकानें रहवासियों की भावनाओं और सामाजिक तानेबाने को आघात पहुंचा रही हैं। इन इलाकों में महिलाएं, बच्चे और स्कूली छात्र रोजाना इन दुकानों के बगल से गुजरते हैं, जिससे उन पर मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभाव पड़ता है।

संकट मोचन हनुमान मंदिर से निकली कावड़ यात्रा

भैंसदेही। श्रावण मास के पवित्र महीने में ग्राम में समृद्धि और खुशी के लिए कावड़ यात्रा निकाली गई। इस कावड़ यात्रा का आयोजन शिव शंकर संकट मोचन हनुमान मंदिर से किया गया, जिसमें ग्रामीण महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कावड़ यात्रा का आयोजन हर साल श्रावण मास में किया जाता है, जिसमें ग्रामीण महिलाएं और बच्चे विशेष रूप से उपस्थित रहते हैं। इस यात्रा का उद्देश्य ग्राम में समृद्धि और खुशी लाना है, और भगवान शिव की पूजा करना है। कावड़ यात्रा शिव शंकर संकट मोचन हनुमान मंदिर से प्रारंभ होती है और माँ पूर्णा के तट पर पहुंचती

है, जहां महिलाएं जल भरती हैं और पुन: हनुमान मंदिर पहुंचकर शिव परिवार का अभिषेक करती हैं। इस कावड़ यात्रा में महिलाओं की भागीदारी बहुत अधिक होती है, जो भगवान शिव की पूजा करने और ग्राम में समृद्धि और खुशी लाने के लिए जल भरती हैं और शिव परिवार का अभिषेक करती हैं। कावड़ यात्रा का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, जिसमें ग्राम में समृद्धि और खुशी लाने के लिए जल भरने और शिव परिवार का अभिषेक करने का महत्व है।

दो दिनों से मूसलाधार बारिश, सतपुड़ा डैम के खोले गेट

सारणी। सारनी क्षेत्र में बीते दो दिनों से हो रही मूसलधार बारिश के चलते सतपुड़ा डैम पूरी तरह लबालब हो गया है। डैम का जलस्तर शुक्रवार सुबह 8 बजे तक 1430.00 फीट दर्ज किया गया।

17300 क्यूसेक पानी किया डिस्चार्ज

डैम के गेट खोलने पर लगी दर्शकों की भीड़

वहीं, पिछले 24 घंटों में 64 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जिससे अब तक कुल 630 मिमी बारिश

हो चुकी है। जलस्तर बढ़ने के कारण सुबह 7 गेटों को तीन-तीन फीट की ऊंचाई तक खोला गया, जिससे 17300 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज किया जा रहा है। यह प्रक्रिया सुबह 7 बजे से जारी है। डैम से निकलते पानी का दृश्य देखने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। डैम क्षेत्र में शहर और आस-पास से बड़ी संख्या में पर्यटक और स्थानीय लोग अपने परिवारों के साथ पहुंचे और प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ उठाया। डैम से तेज बहाव के साथ गिरते पानी की गर्जना और छपाकों ने सभी को रोमांचित कर दिया। सतपुड़ा डैम क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है। नर्मदा हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन और प्रशासन की ओर से लगातार निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। नागरिकों से अपील की गई है कि वे डैम क्षेत्र की सीमाओं से आगे न जाएं और सतर्क रहें। इस बीच, किसानों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई है। पर्याप्त जलभराव होने से आने वाले दिनों में खेतों की सिंचाई में सहूलियत मिलेगी और फसलें भी लहलहाएंगी।

संगोष्ठी तहसील समन्वय समिति की तहसील स्तरीय गोष्ठी का आयोजन

गायत्री परिवार कार्यों को गति देने गांव-गांव में बनाएगा सक्रिय कार्यकर्ता

मुलताई। गायत्री शक्ति पीठ में शुक्रवार को तहसील समन्वय समिति की तहसील स्तरीय गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी उपजोंन समन्वय समिति सदस्य सम्पत राव धोटे एवं जिला भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला संयोजक एवं जिला समन्वय समिति के सदस्य गुलाब राव चिल्हाटे की उपस्थिति में संपन्न हुई।जिसमें मुलताई तहसील के सभी,शक्ति पीठ,प्रज्ञा पीठों ,नवचेतना केन्द्रों के सक्रिय परिजनो सहित प्रज्ञा मंडल महिला मंडलों युवा मंडलों के सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थिति हुए।जिसमें तहसील समन्वयक नारायण देशमुख,उपजोन समन्वयक दिनेश देशमुख एवं जिला समन्वयक डॉ

कैलाश वर्मा के द्वारा दिए गए निर्देशानुसार पांच पंचायत पर एक नव चेतना केंद्र निर्माण करने एवं साधनात्मक आंदोलनों को गति देने की जानकारी दी। जिसके बाद प्रत्येक नव चेतना केंद्रों और उस नवचेतना केंद्र से संलग्न प्रत्येक ग्राम पंचायत, में गायत्री परिवार के दस दस सदस्यों का मंडल का गठन करने, जिसमें महिला मंडलों ,युवा मंडलों ,प्रज्ञा मंडल का गठन शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा निर्धारित प्रारूप में मंडलो के गठन के फॉर्म भरवाने ,एवं शांतिकुंज हरिद्वार से इनके पंजीयन करवाने की संपूर्ण जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया गया। वहीं आगामी 28 सितंबर से 30 सितंबर तक आने वाली ज्योति कलश यात्रा की पूर्व तैयारी के लिए कार्ययोजना तैयार करने,भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा सहित प्रत्येक प्रज्ञा पीठों पर कन्याकिशोर कौशल शिविर को आयोजित करने, हरियाली अमावस्या से प्रत्येक गांव गांव में वृहद स्तर पर पौधरोपण करने ,की जानकारी दी।गोष्ठी में उपदठित सक्रिय परिजनों यादोराव खाड़े, अविनाश खण्डाग्रे, मुख्य ट्रस्टी यादोराव निंबालकर, आदि परिजनों ने भी अपने अपने विचार रखे एवं गायत्री परिवार के कार्यों को मिल जुलकर निरंतर सहयोग करते रहने का संकल्प लिया।

संस्कृति ज्ञान परीक्षा का नए स्कूलों में पहुंचाया साहित्य

मुलताई।अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा संचालित जिला स्तरीय भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा आगामी 7 नवंबर 2025 शुक्रवार को होना सुनिश्चित हुआ है।इस परीक्षा के सफल आयोजन के लिए भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला संयोजक गुलाबराव चिल्हाटे द्वारा गायत्री परिवार के वरिष्ठ सदस्यों सम्पतराव धोटे उप जोन समिति सदस्य, गणपति गायकवाड़ पूर्व तहसील समन्वयक, नत्थू पंडागरे,शिक्षक रामकिशोर बनखेडे व प्रवीण साहू के सहयोग से जिले के प्रत्येक स्कूलों में अधिक से अधिक बच्चों को परीक्षा मे सम्मिलित करने के लिए प्रभात पट्टन, आठनेर, भैसदेही, भीमपुर, व चिचोली विकास खंड मे पहुंचकर परीक्षा फाइल एवम साहित्य पहुंचाया गया।

तीन मामलों में पुलिस ने किया दो को गिरफ्तार

मुलताई। थाना क्षेत्र में लूट तथा लूट का प्रयास करने एवं बाइक चोरी के 3 मामलो में पुलिस नए 2 आरोपियों को मुलताई पुलिस ने गिरफ्तार किया है।टीआई देवकरण डहेरिया ने बताया बीते 2 एवं 3 जून 2025 की दरम्यानी रात चार युवक बाइक से मुलताई क्षेत्र में लूट की योजना बनाते हुए ग्राम डहुआ में एकत्रित थे। जैसे ही पुलिस व ग्रामीण मौके पर पहुंचे, चार युवक अलग-अलग दिशा में भाग गए। उनमें से एक अपचारी बालक को ग्रामीणों की मदद से मौके पर ही पकड़ लिया गया,जिसके पास से एक देशी कट्टा व चोरी की बाइक बरामद की गई थी। इस संबंध में थाना मुलताई में धारा 312, 309(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज किया गया था। इसी रात स्क्र पेट्रोल पंप मल्हारा पंखा के पास, फरियादी विनोद मोहबे निवासी चिल्हाटी के साथ दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मारपीट कर चाकू से हमला किया गया एवं उसकी सोने की अंगूठी, 5 हजार रुपए नगद एवं 20 हजार रुपए फोन-पे से ट्रांसफर करवाए गए। इस मामले में पुलिस द्वारा धारा 309(4), 306(6) भा न्याय संहिता के तहत केस दर्ज किया गया था। वहीं इसी रात फरियादी चमन नागले निवासी ग्राम मालेगांव की बाइक होंडा शाइन क्रमांक एमपी 04 क्यूपी 9877 चोरी हो गई। इस पर धारा 305(बी) के अपराध दर्ज किया गया था। इन तीनों मामलों में पूर्व में पकड़े गए अपचारी बालक एवं शिवप्रसाद उर्फ खरगोश उर्फ नानू इवने निवासी बघवाड़ से की गई पूछताछ के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की गई। जिस पर संजय उर्फ संजू उइके पिता कुन्दन परते, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्यारसपुर एवं मोहित उइके पिता संतोष उइके, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम किलाखण्डारा की संलिप्तता सामने आई। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को बुधवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।जिनके पास से एक सोने की अंगूठी,एक चांदी की चेन,घटना में प्रयुक्त चाकू एवं घटना में प्रयुक्त डंडा बरामद किया गया।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक देवकरण डेहरिया, उप निरीक्षक छत्रपाल धुर्वे, दिनेश कुमरे, प्रधान आरक्षक बलराम,आरक्षक अरविंद पटेल, कमलेश डेहरिया एवं लक्ष्मीचंद की महत्वपूर्ण भूमिका रही।